वीडियो संसाधन: नीति परिप्रेक्ष्य, अवधारणा, प्रारूप और परिधि

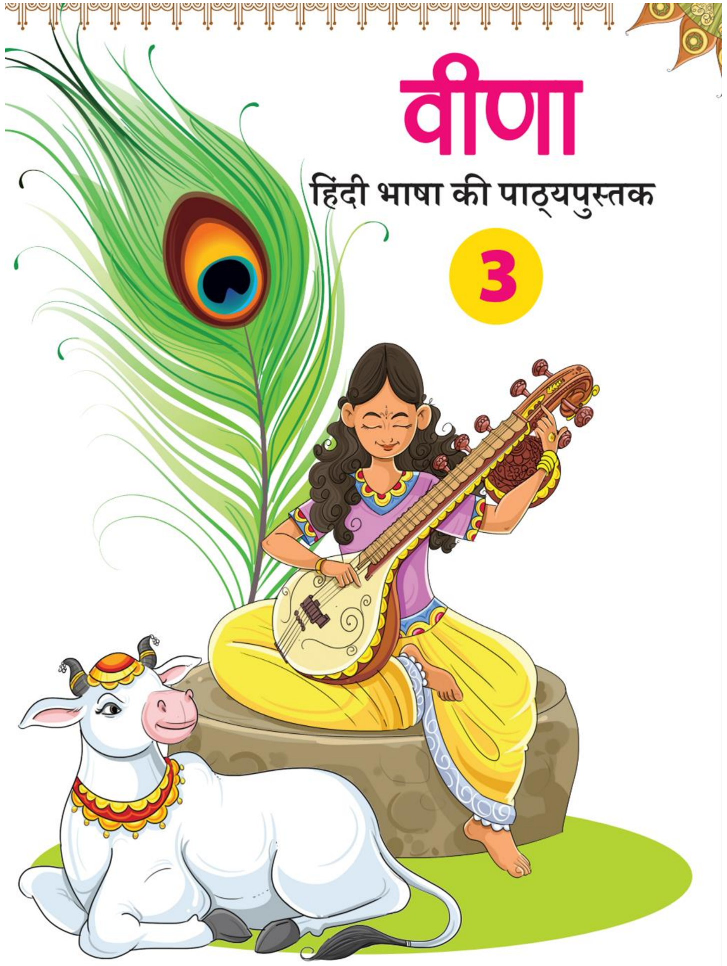

2

चींटी

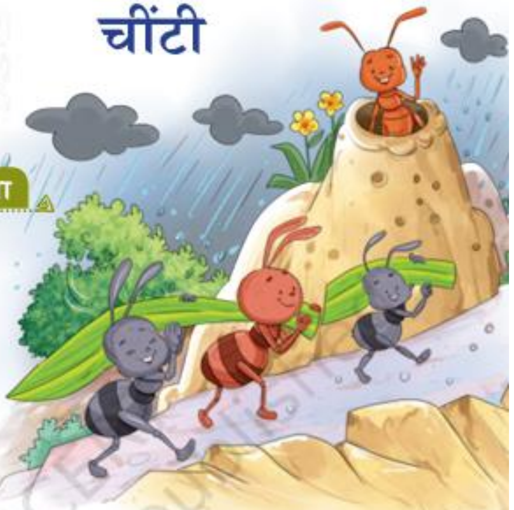

आनंदमयी कविता

हर पल चलती जाती चींटी,
श्रम का राग सुनाती चींटी।

कड़ी धूप हो या हो वर्षा,
दाना चुनकर लाती चींटी।

सचमुच कैसी कलाकार है,
घर को खूब सजाती चींटी।

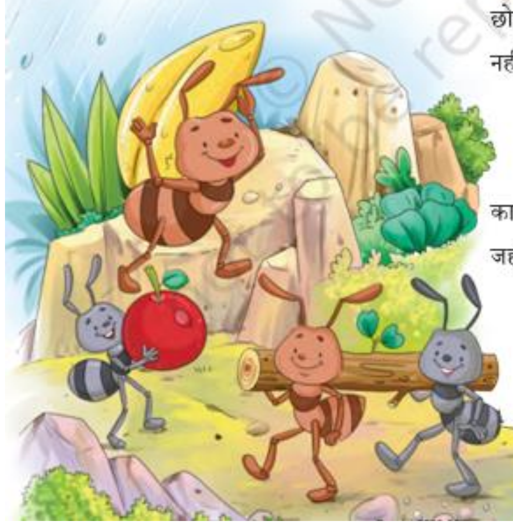

छोटा तन, पर बड़े इरादे,
नहीं कभी घबराती चींटी।

नन्हे-नन्हे पैर बढ़ाकर,
पर्वत पर चढ़ जाती चींटी।

काम बड़े करके दिखलाती,
जहाँ कहीं अड़ जाती चींटी।

मेहनत ही पूजा है प्रभु की,
हमको यही सिखाती चींटी।

– प्रकाश मनु

आइए समझें कि हमारी नीति डिजिटल संसाधनों के बारे में क्या कहती है।

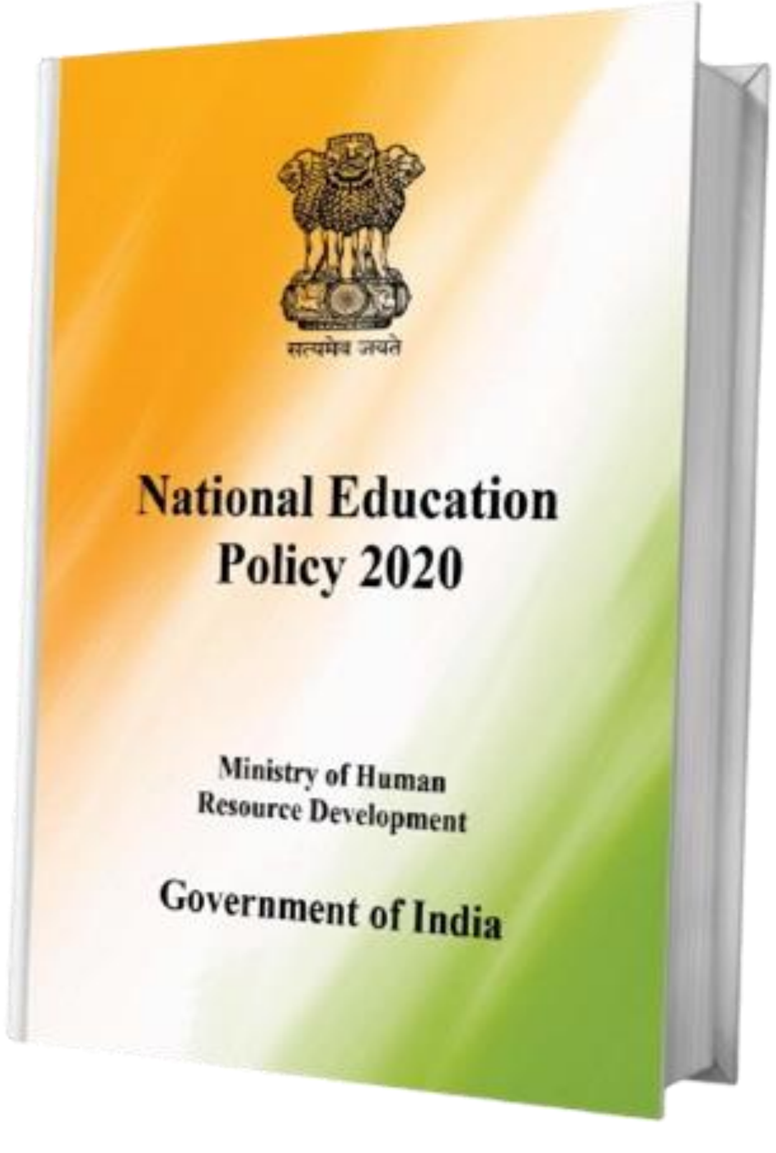

एनईपी 2020 के अनुच्छेद 23.6 के अनुसार, शिक्षण–अधिगम हेतु ई-सामग्री का विकास सभी राज्यों द्वारा उनकी क्षेत्रीय भाषाओं में तथा एनसीईआरटी,सीआईईटी,सीबीएसई, एनआईओएस एवं अन्य संबंधित निकायों/संस्थानों द्वारा सतत रूप से किया जाएगा, और विकसित सामग्री को दिक्षा प्लेटफ़ॉर्म पर अपलोड किया जाएगा।

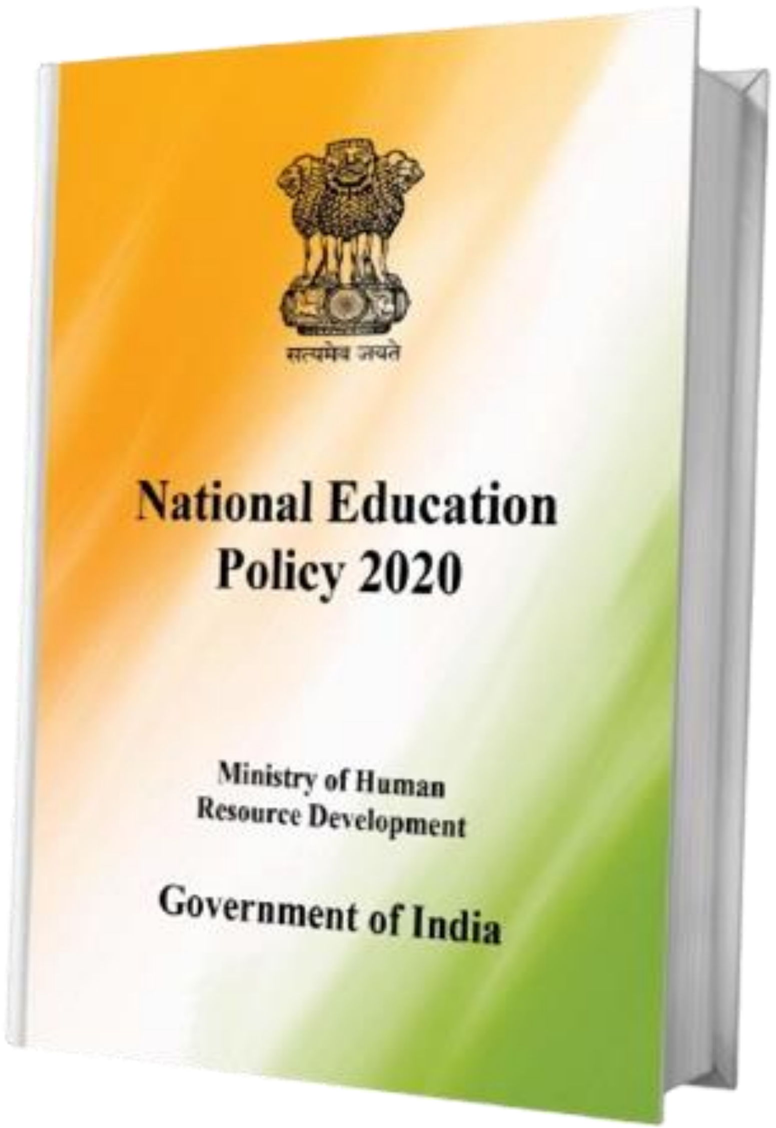

उपयोगकर्ता-अनुकूल और उच्च-गुणवत्तापूर्ण सामग्री के निर्माण को सुगम बनाने के लिए दिक्षा/स्वयं जैसे प्रौद्योगिकी-आधारित शिक्षा प्लेटफ़ॉर्म को विद्यालयी तथा उच्च शिक्षा में बेहतर रूप से एकीकृत किया जाएगा। इनमें उपयोगकर्ताओं की रेटिंग और समीक्षाएँ भी शामिल की जाएंगी।

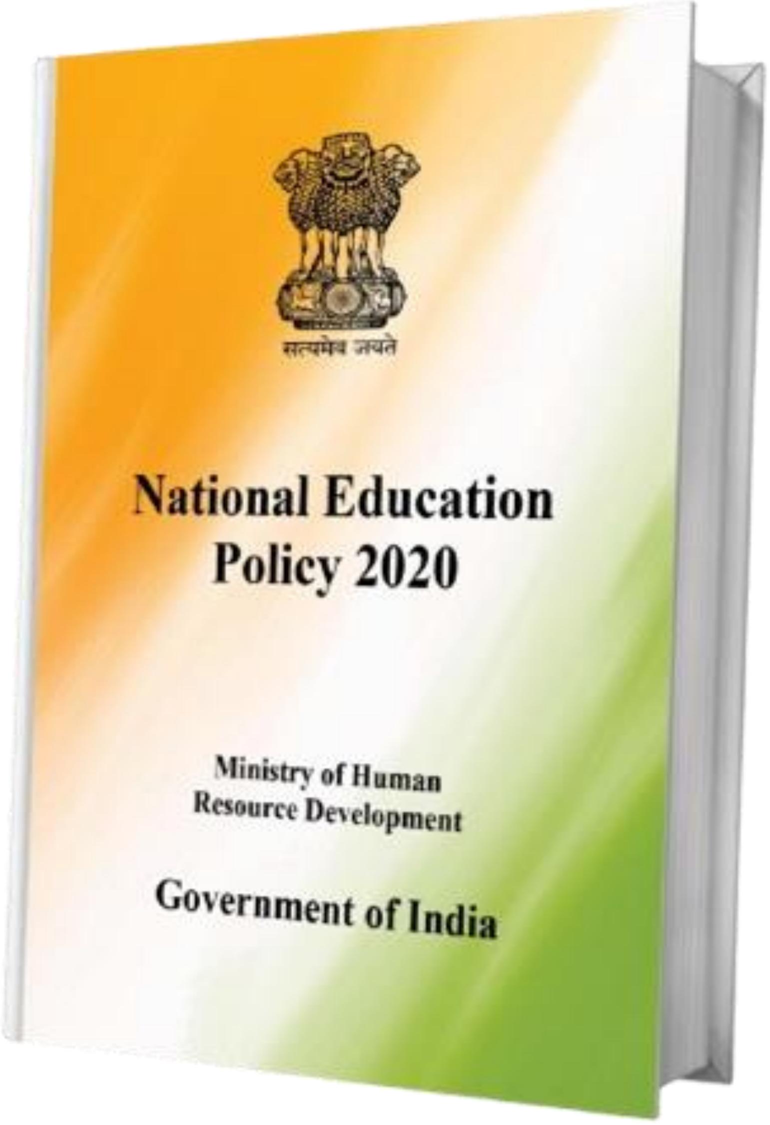

एक ऐसे डिजिटल सामग्री भंडार, जिसमें पाठ्यक्रम निर्माण, शिक्षण–खेल एवं सिमुलेशन, ऑग्मेंटेड रियलिटी तथा वर्चुअल रियलिटी सम्मिलित हों, की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने हेतु उपयोगकर्ताओं द्वारा रेटिंग प्रदान करने की एक स्पष्ट एवं पारदर्शी सार्वजनिक प्रणाली स्थापित की जाएगी। [24.4 (d)]

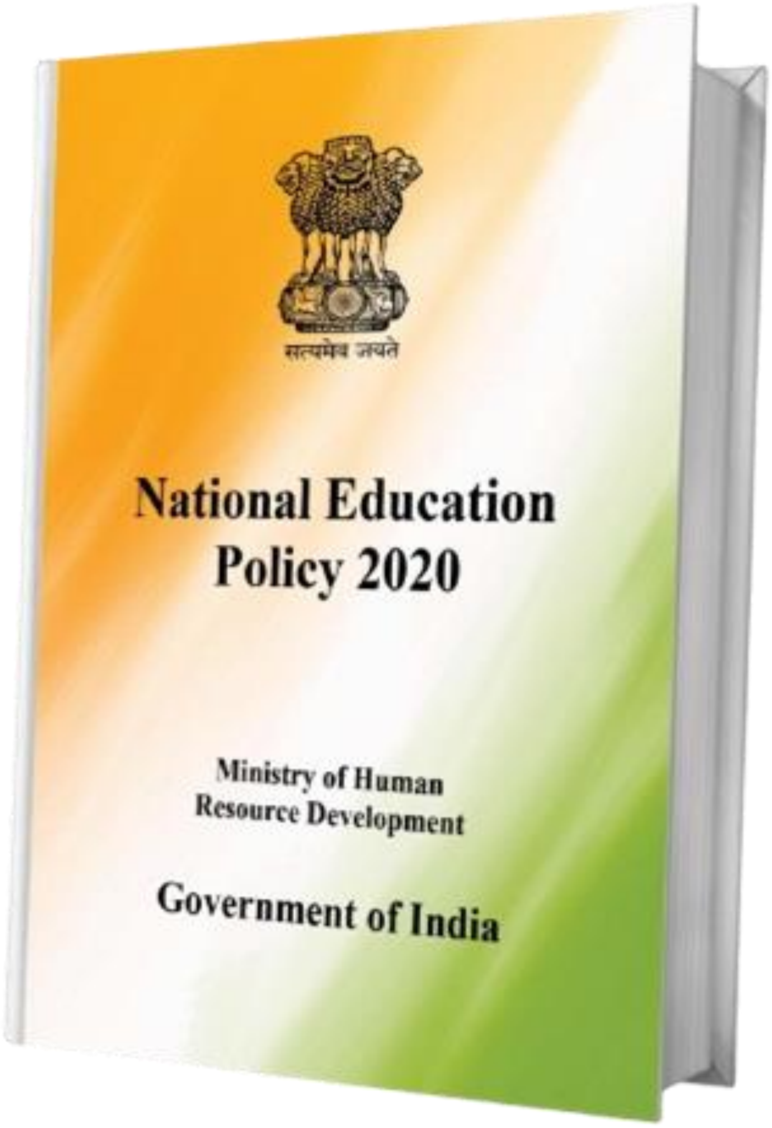

स्कूली तथा उच्च शिक्षा—दोनों की ई-शिक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मंत्रालय डिजिटल अवसंरचना, डिजिटल सामग्री तथा क्षमता निर्माण के विकास का समन्वय करने हेतु एक विशेष इकाई स्थापित करेगा। (24.5)

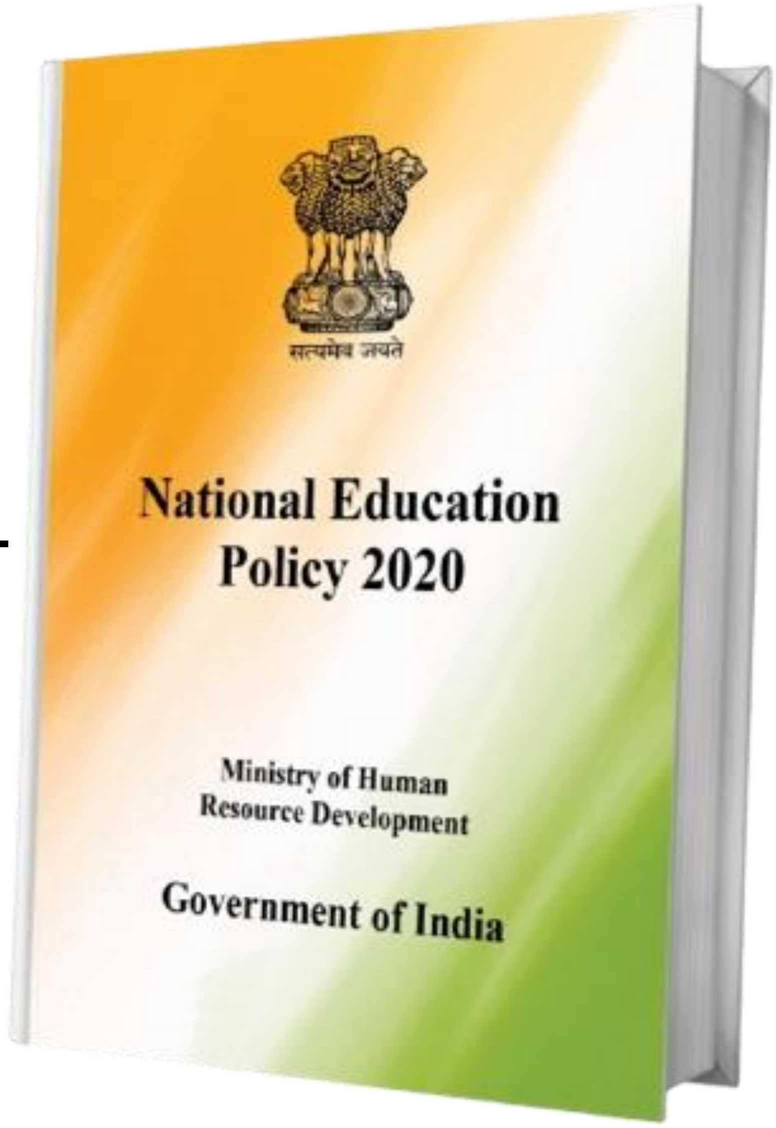

वीडियो संसाधन क्यों?

सक्रिय सहभागिता

दृश्यों, ध्वनि और गतिशीलता के संयोजन के कारण वीडियो अत्यंत प्रभावी और आकर्षक होते हैं।

बहु-माध्यमीय अधिगम

वीडियो में दृश्य और श्रव्य तत्वों का संयोजन अनेक इंद्रिय माध्यमों के माध्यम से अधिगम को सुदृढ़ बनाने में सहायक होता है।

स्टोरीटेलिंग (कहानी कहना)

वीडियो में प्रभावी स्टोरीटेलिंग दर्शकों को किसी कथा या प्रसंग में पूरी तरह डूबने का अनुभव करा सकती है।

दृश्य एवं श्रव्य अधिगम

कई विद्यार्थियों की अधिगम शैली भिन्न होती है, और वीडियो संसाधन दृश्य तथा श्रव्य दोनों प्रकार के शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, क्योंकि इनमें जानकारी को दृश्य माध्यम और ध्वनि—दोनों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है।

इंटरैक्टिव

वीडियो में क्विज़, क्लिक करने योग्य लिंक तथा अन्य सहभागिता-आधारित विशेषताएँ सम्मिलित की जा सकती हैं, जो सक्रिय अधिगम और ज्ञान की दीर्घकालिक स्मृति को प्रोत्साहित करती हैं।

वीडियो में एकीकृत किए जा सकने वाले ई-सामग्री के रूप

मल्टीमीडिया

- ✓ इंटरैक्टिव मीडिया
- ✓ मानचित्र
- ✓ सिमुलेशन / अनुकरण
- ✓ ऑडियो
- ✓ वीडियो
- ✓ इंटरैक्टिव टाइमलाइन
- ✓ स्लाइड शो

पाठ

- ✓ विज्ञापन
- ✓ माइंड मैप / मानसिक मानचित्र
- ✓ इंफ़ोग्राफ़िक / जानकारी-चित्र
- ✓ आरेख
- ✓ प्रवाह चार्ट
- ✓ ग्राफ़ / आलेख

ऑडियो / वीडियो

- ✓ फ़ोटोग्राफ़
- ✓ वीडियो
- ✓ पॉडकास्ट
- ✓ एनीमेशन
- ✓ कार्टून

वीडियो संसाधनों का उपयोग कब करना चाहिए?

हमारे पास
तीन
विकल्प हैं।

- ✓कक्षा से पहले
- ✓कक्षा के दौरान
- ✓कक्षा के बाद

परिदृश्य 1

परिदृश्य 2

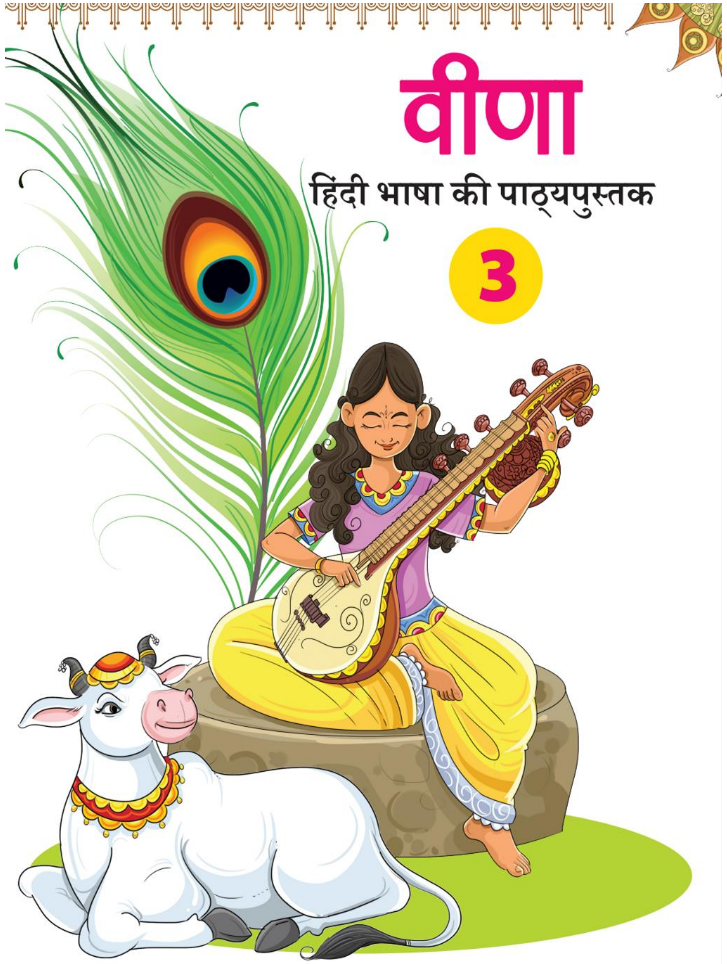

4 बया हमारी चिड़िया रानी!

आनंदमयी कविता

बया हमारी चिड़िया रानी!
तिनके लाकर महल बनाती,
ऊँची डाली पर लटकाती,
खेतों से फिर दाना लाती,
नदियों से भर लाती पानी।

तुझको दूर न जाने देंगे,
दानों से आँगन भर देंगे,
और हौज में भर देंगे हम,
मीठा-मीठा ठंडा पानी।

फिर अंडे सेयेगी तू जब,
निकलेंगे नन्हें बच्चे तब,
हम आकर बारी-बारी से,
कर लेंगे उनकी निगरानी।

फिर जब उनके पर निकलेंगे,
उड़ जाएँगे बया बनेंगे,
हम तब तेरे पास रहेंगे,
तू मत रोना चिड़िया रानी।

– महादेवी वर्मा

© NCERT not to be republished

बया हमारी चिड़िया रानी!

परिदृश्य 3

But here’s the twist

ये वीडियो संसाधन हो सकते हैं

- ✓संकलित/चयनित
- ✓विकसित